न्यूज डायरी

अमेरिका बनाम चीन की जंग का मैदान बना नेपाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। भारत का पड़ोसी देश नेपाल एक बार फिर से सियासी तूफान में घिरता दिख रहा है। इस बार भी नेपाल में जारी राजनीतिक बवाल के केंद्र में चीन है। नेपाल की सत्तारूढ़ शेर बहादुर देऊबा सरकार में साझीदार कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड ने चेतावनी दी है कि वह सरकार से अलग हो जाएंगे। प्रचंड ने देऊबा सरकार को यह धमकी ऐसे समय पर दी जब वह कुछ घंटे बाद ही अमेरिका के मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन को लागू करने के लिए संसद में इसे पेश करने जा रही थी। एमसीसी के तहत अमेरिका सरकार नेपाल को 50 करोड़ डॉलर की मदद देना चाहती है लेकिन नेपाल का चीन समर्थक धड़ा इसका विरोध कर रहा है। सीपीएन माओवादी के संसद में नेता देव प्रसाद गुरुंग ने कहा, अगर सरकार इसे लागू करने का प्रयास करती है तो यह सरकार के लिए समय है कि गठबंधन को तोड़ दिया जाए।

नासा के नए टेलिस्कोप ने खींची सुपरनोवा की तस्वीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के नए एक्सरे स्पेस टेलिस्कोप ने अपनी पहली तस्वीर खींचने में सफलता हासिल की है। इस बेहद आकर्षक तस्वीर में सुपरनोवा के विस्फोट के बाद शानदार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक चमक दिखाई दे रही है। इस टेलिस्कोप को 9 दिसंबर को एलन मस्क्ष के रॉकेट फॉल्कन 9 की मदद से अंतरिक्ष में भेजा गया था। करीब 1 महीने तक अपने उपकरणों की जांच और अंतरिक्ष के माहौल में ढलने के बाद टेलिस्कोप ने यह पहली तस्वीर खींची है। नासा के मुताबिक यह तस्वीर सुपरनोवा Cassiopeia A की है जो 17 वीं सदी में फटे एक सितारे के गैस के बादलों से बना है। इस शानदार तस्वीर को सोमवार को जारी किया गया। गैस का यह बादल 10 प्रकाशवर्ष चौड़ा है। दिखाई देने योग्य प्रकाश में यह सुपरनोवा इस तरह से बैंगनी रंग में नहीं चमकता है। नासा के शोधकर्ताओं ने यह दिखाने के लिए इस रंग को चुना है कि एक्सरे लाइट बादलों के विभिन्न हिस्से में कितना शक्तिशाली है।

भूमध्य सागर के ऊपर आमने–सामने आए अमेरिकी–रूसी विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन को लेकर दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। हजारों परमाणु बम से लैस अमेरिका और रूस के सेना के बीच तनाव का नया केंद्र बना है भूमध्य सागर। अमेरिकी मीडिया में आई रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी नौसेना का सबमरीन हंटर विमान पी 8 भूमध्य सागर में गश्त के निकला था। इसी बीच हवा में ही कई रूसी लड़ाकू विमानों से उसका आमना–सामना हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के विमान एक–दूसरे के बेहद करीब आ गए थे जिससे जोरदार भिड़त का खतरा पैदा हो गया था। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरी घटना भूमध्य सागर में इस सप्ताहांत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई। इस खौफनाक घटनाक्रम से सीधे तौर पर जुड़े अमेरिका के कई अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

इजराइल ने सीरिया पर किया मिसाइल अटैक, संपत्ति को पहुंचा काफी नुकसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दमिश्क। इजरायल ने बुधवार शाम सीरिया पर मिसाइल अटैक किया है। जानकारी के अनुसार, इजराइल ने जमीन पर मार करने वाली मिसाइल से दमिश्क के दक्षिण क्षेत्र को निशाना बनाया है। सीरियाई राज्य मीडिया के अनुसार, गोलान हाइट्स से दागी गई इजरायली मिसाइलों ने दमिश्क क्षेत्र में काफी नुकसान पहुंचाया है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने गोलन हाइट्स से सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें लान्च की थी, जो जकिया शहर के पास जाकर गिरी, इस हमले में संपत्ति को बहुत नुकसान पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमला इतना जोरदार था कि उसने दमिश्क को हिला दिया। हालांकि, इस दौरान सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय नहीं थी। साथ ही इस हमले में किसी के हताहत की कोई जानकारी नहीं है।

यूक्रेन संकट पर रूस ने जापान को दी चेतावनी

रूस 24 जंगी जहाजों के साथ जापान सागर में अभ्यास कर रहा

चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। यूरोप के मोर्चे पर 1 लाख 50 हजार सैनिकों को यूक्रेन की सीमा पर तैनात करने के बाद अब रूस ने जापान को भी चेतावनी भरा संदेश भेजा है। रूस ने जापान के पास समुद्र में 24 के करीब युद्धपोत और फ्रीग्रेट्स की तैनाती की है। विशेषज्ञों के मुताबिक यूक्रेन संकट के बीच जापान के पास महाविनाशक हथियारों की तैनाती बेहद असामान्य मामला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने पर उसमें जापान भी न शामिल हो जाए, इसलिए उसे हतोत्साहित करने के लिए मास्को ने यह तैनाती की है।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारी भरकत तैनाती से यह भी पता चलता है कि रूस एक साथ अपने पश्चिमी और पूर्वी दोनों मोर्चों पर दुश्मनों से भिड़ने का माद्दा रखता है। बताया जा रहा है कि रूस ने कुरील द्वीप समूह में जापान की दुखती रग पर हाथ रखा है। विशेषज्ञों के मुताबिक इतने बड़े

पैमाने पर जापान के पास जंगी बेड़ा तैनात करके रूस ने यह भी संदेश दिया है कि उसकी सेना हर संकट से निपटने के लिए तैयार है।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की कि रूस 24 जंगी जहाजों के साथ जापान सागर में अभ्यास कर रहा है। रूस का यह अभ्यास गत 1 फरवरी से जारी है। इन जंगी जहाजों में सबमरीन भी शामिल है। जापानी रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने कहा, रूस ने यह अभ्यास यूक्रेन के पास उठाए गए अपने कदम के साथ ही शुरू किया है। दरअसल, रूस यह दिखाना चाहता है कि वह एक साथ अपने दोनों ही मोर्चो पर सैन्य अभियान को अंजाम दे सकता है।

टोक्यो के टेंपल यूनिवर्सिटी में रूसी मामलों के विशेषज्ञ जेम्स ब्राउन कहते हैं, रूस की यह तैनाती समय और व्यापकता दोनों ही आधार पर बहुत असामान्य है। उन्होंने कहा, ओखोत्स्क सागर में स्थितियां बहुत परीक्षा लेने वाली होती जा रही हैं। इस इलाके में अभी बहुत कम तापमान है, समुद्र में चारों ओर बर्फ फैली हुई है और बर्फ इधर–उधर तैर रही है। यह सभी जंगी जहाजों के अभियान के लिए बहुत ही खतरनाक है।

अमेरिकी नौसेना की परमाणु पनडुब्बी रूसी जलक्षेत्र में घुसीः बता दें कि यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। रूस और अमेरिका के बीच जहां यूरोप के पश्चिमी मोर्चे पर जोरदार घेरेबंदी चल रही है, वहीं बाइडन की सेना ने पिछले दिनों पूर्वी मोर्चे पर भी अपनी हरकत तेज कर दी। अमेरिकी राष्ट्रपति की रूस के यूक्रेन पर हमले की चेतावनी के बीच अमेरिकी नौसेना की परमाणु पनडुब्बी रूसी जलक्षेत्र में घुस गई। इससे रूस भड़क गया था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका की वर्जीनिया क्ल्लास की परमाणु पनडुब्बी उसके जलक्षेत्र में घुस गई। जब रूसी युद्धपोत ने अमेरिकी पनडुब्बी से सतह पर आने को कहा तो उसने अनदेखा कर दिया। इसके बाद रूसी नौसेना ने अमेरिकी पनडुब्बी के खिलाफ विशेष कार्रवाई की।

यूक्रेन ने रूस समर्थक विद्रोहियों पर बरसाए बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव में अब नया मोड़ आता दिख रहा है। रूस की मीडिया ने दावा किया है कि पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों पर यूक्रेन की सेना ने ग्रेनेड और मोर्टार से हमले किए हैं जो समझौतों का उल्लंघन है। माना जाता है कि ये विद्रोही रूस समर्थक हैं। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने चेतावनी दी है कि रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है। रूस की स्पुतनिक समाचार वेबसाइट के मुताबिक यूक्रेन की सेना ने देश के पूर्वी इलाके में स्थित स्वघोषित लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक में गुरुवार को चार जगहों पर मोर्टार गोले और ग्रेनेड से हमला किया है। इस कथित रिपब्लिक के एक अधिकारी ने कहा, यूक्रेन की सेना ने मिंस्क समझौते का उल्लंघन करते हुए सीजफायर का उल्लंघन किया है और हथियारों का इस्तेमाल किया है। फरवरी 2015 में हुए इस समझौते में रूस समर्थक विद्रोही गुटों और यूक्रेन की सरकार के बीच सीजफायर हुआ था। इसके तहत सेना की वापसी, आर्थिक रिश्तों की शुरुआत, यूक्रेन में संवैधानिक सुधार आदि पर सहमति बनी थी। रूसी मीडिया का यह दावा अगर सही है तो दोनों देशों के बीच पहले से चला आ रहा तनाव और भड़क सकता है।

यूक्रेन के पास रूसी सेना ने चेर्नोबिल में बनाया नया पुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले की आशंकाओं के बीच सैटलाइट तस्वीरों में बेलारूस–यूक्रेन की सीमा पर एक नया पुल दिखाई पड़ा है। यह पुल रूसी सेना ने चेर्नोबिल के बेहद खतरनाक इलाके में बनाया है जहां पर परमाणु हादसा हुआ था। सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि बेलारूस, क्रीमिया और पश्चिमी रूस में यूक्रेन की सीमा पर सैन्य गतिविधि काफी बढ़ गई है। रूसी सेना का यह नया पुल और सैन्य जमावड़ा ऐसे समय पर दिखा है जब व्लादिमीर पुतिन की सरकार ने दावा किया है कि वह यूक्रेन की सीमा से अपनी सेना को हटा रही है।

पाकिस्तान में शी जिनपिंग के सपने को बड़ा झटका दे रहे बलूच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इमरान खान सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ड्रीम प्रॉजेक्ट बेल्ट एंड रोड अब खटाई में पड़ता नजर आ रहा है। हाल के दिनों में बलूचिस्तान प्रांत में विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना पर अपने हमले तेज कर दिए हैं और चीनी निवेश को भी निशाना बना रहे हैं। चीन बेल्ट एंड रोड के तहत चाइना–पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर बना रहा है और इसमें करीब 60 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। बलूचों के हमले से चीन की टेंशन बढ़ गई है।

चीन ने साल 2015 में सीपीईसी

विद्रोही चीनी निवेश को भी बना रहे हैं निशाना

परियोजना को शुरू करने के लिए ऐलान किया था। चीन अपने शिंजियांग प्रांत से पाकिस्तान के ग्वादर तक रेल और रोड बना रहा है। चीन ने बलूचिस्तान में कई प्रॉजेक्ट बनाए हैं और बलूच विद्रोहियों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार स्थानीय संसाधनों का दोहन चीन के प्रभाव बढ़ाने के सपने को पूरा करने के लिए कर रही है। चीन सीपीईसी के जरिए दक्षिण एशिया में भारत और अमेरिका के प्रभाव को चुनौती देना चाहता है।

बलूच राष्ट्रवादियों के निशाने पर पाकिस्तान सरकारः बलूचों ने पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना पर सबसे भीषण हमला किया था। करीब 4 दिनों तक चले इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 9 जवानों की मौत हो गई थी। हालांकि बलूचों का दावा है कि मरने वालों की तादाद बहुत ज्यादा है। यह हमला ऐसे समय पर हुआ जब इमरान खान चीन की यात्रा पर थे। पाकिस्तान ने इसके पीछे भारत का हाथ बताया था। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रह चुके हुसैन हक्कानी कहते हैं, बलूच राष्ट्रवादियों के निशाने पर पाकिस्तान सरकार है जिसे वे दमनकारी मानते हैं।

हक्कानी कहते हैं, बलूच चीन को इसलिए निशाना बनाते हैं क्योंकि चीन पाकिस्तानी सुरक्षा प्रतिष्ठानों का समर्थन करता है।

रूस और यूक्रेन के बीच शांतिपूर्ण समाधान चाहता है अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। दोनों देशों के बीच शांति बनाए रखने का दुनिया के कई देश प्रयास कर रहे हैं। इसी बीच अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने रूस और यूक्रेन के बीच तनावपूर्ण हालात पर बयान दिया। उन्होंने बताया कि क्वाड बैठक में रूस और यूक्रेन के बारे में चर्चा हुई थी, हम अपने भारतीय, जापानी और आस्ट्रेलियाई सहयोगियों का साथ चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि एक राजनयिक के होने की जरूरत है, ताकि दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सके। एएनआइ के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने ब्लिंकन और जयशंकर के बीच हुई द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि, क्वाड के मूल सिद्धांतों में से एक नियम–आधारित आंतरिक आदेश को सुदृढ़ करना है, जो एक नियम–आधारित आदेश है, और इंडो–पैसिफिक में समान रूप से लागू होता है जैसा कि यूरोप में होता है।